

# परनारी की प्रीत करे नंगटा चोड़े धाड़े लिरिक्स



परनारी की प्रीत करे,  
नंगटा चोड़े धाड़े।

दोहा – परनारी मीठी छुरी,  
तीन ठोड़ से खाय,  
जीवत खावे काळजो,  
मर्या नरक ले जाय।  
परनारी के कारने,  
मर गया रावण शिशुपाल,  
पर नारी त्याग दे मूर्ख,  
मिट जावे तेरा काल।

---

परनारी की प्रीत करे,  
नंगटा चोड़े धाड़े,  
खुद का घर को खोज गमावे,  
जड़ा मूल से पाड़े। **bd।**

---

जोर जवानी सब खो बैठे,  
तन मन धन की हानि,  
एसो मूर्ख कैसे समझे,  
समझे उसकी कहानी। **bd।**

---

बिना कमाई पेसो कैसे आवे,  
कोन करावे तेरी शादी,  
हिम्मत हर बैठ गयो भांदू,  
खोई पिता की गादी। **bd।**

---

पांच पंचा में कैसे बोले,  
कलंक लगायो भारी,  
भरी सभा मे जुता खावे,  
नही छुड़ावे घर नारी। **bd।**

---



मात पिता को नाम लज्जावे,  
जन्म लेर पछतावे,  
साधु संत को केणो न माने,  
गापल गोता खावे।bd।

---

मात पिता मर जावे जद,  
जमी बेच कर डाले,  
केवे हंसराम पुत्र नही दुश्मन,  
बिना मोत का मारे।bd।

---

पर नारी की प्रीत करे,  
नंगटा चोड़े धाड़े,  
खुद का घर को खोज गमावे,  
जड़ा मूल से पाड़े।bd।

भजन गायक – चम्पा लाल प्रजापति ।  
**8947915979**

---